22-01-2019

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 22 जनवरी 2019 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रोस्थोडोंटिक विभाग द्वारा प्रोस्थोडोंटिक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में दंत विज्ञान उपचार में प्रोस्थोडोंटिक की उपयोगिता पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर के0जी0एम0यू0 के प्रोस्थोडोंटिक विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 पूरनचंद ने बताया कि डेंटिस्ट्री की शुरूआत ही प्रोस्थोडोंटिक उपचार से शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि प्रोस्थोडोंटिक्स डेंटल उपचार के अलावा कैंसर रोगियों, खर्राटों की बीमारी, कृत्रिम अंगों को बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि आज भी समाज के बहुत ही छोटे से वर्ग को इस बात की जानकारी है कि हमे किस बीमारी के लिए कौन से विशेषज्ञ से मिलना है।

डॉ0 पूरनचंद ने कहा कि दांत न होने का कष्ट उन लोगों को बखूबी पता है जिनके सामने स्वादिष्ट भोजन होने के बावजूद वह उसका आनन्द नहीं ले सकते हैं या एक अच्छे गायक होने के बाद भी अपने स्वर लहरी से समाज को आनंदित नहीं कर सकते हैं। एक अच्छा वक्ता होने के बाद भी दांत न होने पर आपके वक्तव्य को आधा–अधूरा ही लोग समझ पाते हैं और कभी–कभी गलत अर्थ निकल जाता है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों को एक प्रोस्थोडोंटिक ही समस्याओं से निजात दिलाता है और आपके जीवन में स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता का संचार करता है।